कुल गीत - कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

कृषि तन, कृषि मन, कृषि धन अर्पण
कृषि तन, कृषि मन, कृषि धन अर्पण

सूर्यनगरी में कृषि विश्वविद्यालय तुमको नमनः कृषि विश्वविद्यालय
सूर्यनगरी में कृषि विश्वविद्यालय तुमको नमनः कृषि विश्वविद्यालय

कृषि तन, कृषि मन, कृषि धन अर्पण
कृषि तन, कृषि मन, कृषि धन अर्पण

विषम परिस्थिते मानव जीवन, टांका बावड़ी में जल सरंक्षण
कुशल दक्ष कृषि और शिक्षा, मरुधरा में कृषि सरंक्षण

यहाँ वैज्ञानिक नव तकनीकें, साकार हो रहे हर एक सपनें
अब ना रहा जीरा जी का बैरी, हर तरफ खुशियां हरियालीं
मोठ-बाजरा का खीचड़ा , कैर-कूमठिया-सांगरी पचकूठा
सर पर ताज पचरंगी साफा, मूँछो में छुपी मुस्कान

मरुधरा के सागर में , जहांज बन ऊँट कर रहा
मातृ दर्जा सबसे ऊँचा, दुग्ध भण्डार थारपारकर कर रहा

कृषि तन, कृषि मन, कृषि धन अर्पण
सूर्यनगरी में कृषि विश्वविद्यालय तुमको नमनः कृषि विश्वविद्यालय

- माला राम
(चतुर्थ वर्ष छात्र , कृषि महाविद्यालय, जोधपुर)